|  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  | PHILADELPHLA, FAID | DAY, MARCH 9, 18 |  | TWO CENTS. |  |
|  |  |  | Turb-stratr jobing mous |  |  |  | GENEAAL NEWS. <br>  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | DRYGOODS. NOA. 980 AND 999 NORTH 'TMIRDSTREXT ABOVE RAOE: WEGT SIDE. |  <br> ROE AND WBL fREBE SPRING QOQDS, | FI,ATS, BLOOMERB, AND <br> BTRAW TRIMMTNGB, <br> All of the latant and mort fuhlonabla atgler, to wile |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | molis of tha Bistorical Socioty ot Penneyivania; and is luxariantly priated, by J. B. Lippincot. As wo prepase devding soveral artioles to this |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | $\begin{aligned} & 1676 \text { to 1881." This is well edited by Mr. Edward } \\ & \text { Aroustrong, a member of the Sooiety. Of conrse, } \\ & \text { overy Pennsylvanian knows that what he now calla } \\ & \text { Chester pas formeriv known as Uniand. Fonslled } \end{aligned}$ |  |  |
| $\overline{\text { Sring trani }} 1860$ |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | divas am cuemote |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
| mabien ane |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | whon ho dies, if his lifo be worth taking, that some desondant as semible as W. IX. D., now upon earth, maydolt. There is a heartiness in his' writio |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
| \%umbimimatitum |  |  |  |  | pages, at least : "It is among the traditions of the |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 1860. spring trade, 1860 . bunn, raiguel do OO. mipoartras and jobbirs in FANOY DRY GOODS. <br>  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Fort Jefferson." This Has at the olose of Si. Olalr's dieastrous oampaign. Incidents like these are the very salt of Life. Finally, this braro and good |  |  |
|  |  |  |  |  | Denny settled down in Pittsburg, where he succest- fully engaged in morcantile Iff, and, in 1816, was eloctod the first Mayor. He died in Jniy, 1822, in |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | tho local papers were extenalrely oopled and readall oror the Union. Theso Iectures have beenoollected into an ootaro volums, (pp. 702, of |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | WHOLB8ATB <br> OABPITLKG; ONLOLOTH, AND MATTING <br> warehouse. <br> no. 112 oukstivet sirrer, <br>  |  |  |  | $\begin{aligned} & \text { whioh Mr. Charles Scribner, of New York, Is the } \\ & \text { publisher. Mr. Marsh's great sequalntanco with } \\ & \text { the Northorn languages of Enrope, his general } \end{aligned}$ |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | boots Ano shors |  |  |  |  |  |  |
| Dry aoobs | BOKER \& BROTHERS, <br>  <br> HOLEEALS OITY AND EABTERN-MADE BOOTIS AND SEXOES. Nom, 489 and 434 MAREET BTRERT Below FIFTH Etreet, Bouth aide, |  |  |  | Sele |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | (ooss |  |  |  |
|  |  |  |  | \% |  |  |  |
|  |  |  |  | $\mathbf{S}^{\text {PRING of } 1860 .}$ <br> MARTINS, <br> peddle |  |  |  |
|  |  |  | TRUIT. BRO., \& CO.. IMPORTERS AND WHOLEEALE DEAMERS HARDWINARE. |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | reek compound of the same olement to find this ord yopugnant to onr omn prinolples of etymo- gy." It is to bo regretted that Mr. Marsh did |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | \% |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | . |  |  |  |
|  |  |  |  | BHONZED FENDERS AND IRONB, STEEL FIRE SETS, FOOT WARMERS, WATER DLEHEN, A0., \&e., HOUSE-PURNISHING BTORES, JNO.\&A. MURPEXEX \& OO. | $\left\{\begin{array}{c} \text { man, Dr. Alfred L. Elifyn, of thls eity. } \\ \text { A GERMAN NoveL. } \\ \text { To Mr. F. Loypoldt, foretgn library, } 1323 \text { Chest- } \\ \text { nut atroet, wo are iddebtod for a Gorman novel. } \end{array}\right.$ |  |  |
|  |  |  |  |  | 边 |  | des |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Alum Rexiof mix woun, |  |  |  |  <br>  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | FAUST, wine |  |  | and |  |  |
| Spring of |  |  |  |  |  | theif disgont from his cicetrines? I might givo in. stances, bat forboar. But beforo eloging, and as bearing upon the |  |
|  |  | hardivare, <br>  <br>  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | these hite, filah mey be usafol herether. X. F.. <br> The Nary Depariment. |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | tion, and, in framing tho treaty, loft tho homiss so loosely defned that we recently oara near being plunged into a now war with Eingland in regard to |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | boots and bhoes <br> 0. 188 NORTII THIRD BTREHR <br>  |  |  |  | ate |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

